शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

राष्ट्रबाण

सिवनी

संपादक : संजय बघेल

• वर्ष : 11 • अंक : 168 • पृष्ठ : 06 • मूल्य : 5.00 रुपए

बुधवार 04 नवंबर 2026

E-PAPER: www.rashtrabaan.in

www.facebook.com/rashtrabaan www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

बीजेपी 4 नवंबर को चंडीगढ़ में 'जख्म 84 दे' सम्मेलन करेगी

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) 1984 के सिख विरोधी दंगों पर बुधवार को चंडीगढ़ में एक दिवसीय सम्मेलन और प्रदर्शनी आयोजित करेगी। इसमें दंगों के पीड़ित, प्रत्यक्षदर्शी, कानूनी विशेषज्ञ और राजनीतिक नेता शामिल होंगे। बीजेपी ने बताया कि 'जख्म 84 दे' नाम से आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य 1984 के सिख नरसंहार से जुड़े घटनाक्रम, कथित साजिश, कानूनी लड़ाई और पीड़ितों के पुनर्वास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करना है।

सुको से अभिषेक बनर्जी को राहत

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी को राहत देते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट से उनकी उस याचिका पर विचार करने को कहा, जिसमें उनके खिलाफ चल रही जांच और मामलों से जुड़ी मीडिया रिपोर्टिंग पर रोक लगाने की मांग की गई है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची तथा जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट दोबारा खुलने पर अभिषेक बनर्जी सुनवाई के लिए अपनी याचिका का उल्लेख कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दुर्गा पूजा और दिवाली की छुट्टियों के बाद कलकत्ता हाईकोर्ट 16 नवंबर को दोबारा खुलेगा।

5 नवंबर को बेंगलुरु में इंडिया ब्लॉक की रैली

बेंगलुरु। इंडिया ब्लॉक के नेता 5 नवंबर को यहां फ्रीडम पार्क में मतदाता सूची के एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। यहां कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य कांग्रेस प्रमुख बी के हरिप्रसाद ने कहा कि बेंगलुरु में होने वाला यह प्रदर्शन, एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ इंडिया गठबंधन के देशव्यापी आंदोलन का हिस्सा होगा।

ईडी का आरोप- कॉम्प्लेक्स बना रहे थे कमीशन के चेयरमैन

बेंगलुरु। करप्शन के आरोप में गिरफ्तार कर्नाटक पब्लिक सर्विस कमीशन के चेयरमैन शिवशंकरप्पा साहूकार अपने होमटाउन में 35 करोड़ रुपए का कॉम्प्लेक्स बना रहे थे। इस कॉम्प्लेक्स में एक स्कूल, हॉस्टल, प्लेग्राउंड, मॉल और कन्वेंशन हॉल शामिल थे। ये आरोप जांच एजेंसी एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट ने साहूकार और सह-आरोपी केपीएससी सदस्य बीवी गीता की जमानत की सुनवाई के दौरान स्पेशल कोर्ट में लगाए। दोनों पक्षों की दलीलें सोमवार को पूरी हो गईं।

मोदी बोले-पहले गरीबी खत्म करने के वादे होते थे

अब जमीनी स्तर पर काम हो रहा; 21 हजार करोड़ की पुणे मेट्रो परियोजनाओं का उद्घाटन किया

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश की कई पीढ़ियों ने गरीबी खत्म करने के वादे सुने हैं। पहले गरीबी के खिलाफ लड़ाई सिर्फ नारों तक सीमित थी, लेकिन अब इसे खत्म करने के लिए जमीन पर काम हो रहा है। उन्होंने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए यह बात कही। इस दौरान उन्होंने पुणे मेट्रो की करीब ₹21,800 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन किया और नई परियोजनाओं की आधारशिला रखी। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस भी शामिल हुए।



पीएम बोले- 10-12 साल में भारत के 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए

आज दुनिया में भारत की चर्चा दो और वजहों से हो रही है। पहली, दुनिया में मुश्किल हालात के बावजूद भारत सबसे तेज आर्थिक विकास करने वाला देश बना हुआ है। दूसरी, सिर्फ 10 से 12 साल में भारत के 50 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी से बाहर आए हैं। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट में भी इसका जिक्र किया गया है।

महाराष्ट्र में खराब मौसम से कई किसान परेशान हैं। देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में पिछले कुछ सालों में जल संरक्षण के लिए काम हुआ है, लेकिन प्राकृतिक आपदा से किसानों को नुकसान हुआ है। इस मुश्किल समय में हम राज्य सरकार किसानों की हर संभव मदद करेगी।

देश के सैकड़ों छोटे शहरों को भी विकास के केंद्र के रूप में तैयार करना होगा। इसी सोच के साथ इस साल फरवरी में अर्बन चैलेंज फंड को मंजूरी दी गई थी। केंद्र सरकार इस फंड के लिए ₹1 लाख करोड़ की मदद दे रही है।

पुणे मेट्रो लाइन का निर्माण पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत सरकार और निजी क्षेत्र की साझेदारी से हुआ है। यह विकास का ऐसा मॉडल है, जिसकी सफलता से देश की तरक्की को और रफ्तार मिलेगी।

पुणे मेट्रो की लाइन-3 करीब 23 किलोमीटर लंबी है

पुणे मेट्रो की लाइन-3 यानी पिंक लाइन करीब 23 किलोमीटर लंबी है। यह मान से डिस्ट्रिक्ट कोर्ट मेट्रो स्टेशन तक जाती है। इससे हिंजवड़ी आईटी हब और शिवाजीनगर के बीच मेट्रो सेवा शुरू होगी। इससे हजारों आईटी कर्मचारियों और दूसरे यात्रियों को आने-जाने में आसानी होगी।

पीएम ने पुणे मेट्रो के दूसरे फेज की आधारशिला भी रखी। इस पर करीब ₹13,500 करोड़ खर्च होंगे। इसमें मेट्रो की लाइन 2ए, 2बी, 4 और 4ए बनाई जाएंगी। इनके शुरू होने से शहर के रिहायशी, व्यावसायिक और आईटी इलाकों के बीच सफर आसान होगा।

एक जगह अनिश्चितकाल तक धरना नहीं दे सकते: सुप्रीम कोर्ट

प्रदर्शन एक का नहीं, सबका अधिकार; रोजगार-कारोबार का ध्यान रखना भी जरूरी

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि कोई भी संगठन प्रदर्शन के लिए किसी सार्वजनिक जगह पर अनिश्चितकाल तक कब्जा नहीं कर सकता। प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थलों पर भी एक तय समय-सीमा होनी चाहिए, ताकि दूसरे संगठनों को भी अपनी बात रखने का मौका मिल सके।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा आप हमेशा के लिए किसी जगह पर कब्जा नहीं कर सकते। वहां किसान, पत्रकार, मजदूर और दूसरे प्रदर्शनकारी कहां जाएंगे? सभी को प्रदर्शन करने का अधिकार है। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच दिल्ली में अक्टूबर में हुए सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शनों से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इनमें प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई, लोगों की हिरासत, निगरानी (सर्विलांस), प्रदर्शन स्थलों और कारोबारियों को हुए नुकसान से जुड़े मामले शामिल हैं।

सीजेपी को एक दिन की अनुमति मिली, 17 दिन तक बैठे रहे



सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दिल्ली पुलिस की ओर से कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए सिर्फ एक दिन की अनुमति दी गई थी, लेकिन प्रदर्शनकारी 17 दिन तक वहां बैठे रहे। मेहता ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने बिना अनुमति संसद की ओर मार्च भी किया। संसद देश की संप्रभुता का प्रतीक है। बिना अनुमति संसद या सुप्रीम कोर्ट तक मार्च करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि जो संगठन बंद या प्रदर्शन का आह्वान करता है, उसे उसके परिणामों की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए।

प्रशांत भूषण ने पूछा- किस कानून के तहत निगरानी कर रहे

सीनियर एडवोकेट प्रशांत भूषण ने कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि प्रदर्शनकारियों पर किस तरह की निगरानी की जा रही है और इसके लिए कौन-सा कानूनी प्रावधान है। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान केवल सीसीटीवी से निगरानी की गई। उन्होंने कहा कि सैकड़ों सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी प्रदर्शन की लाइव रिकॉर्डिंग कर रहे थे, लेकिन सरकारी सीसीटीवी पर सवाल उठाए जा रहे हैं। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी ने हिरासत और पुलिस कार्रवाई का मुद्दा उठाया। वहीं, व्यापारिक संगठनों की ओर से मुकुल रोहतगी, संजय पोद्दार और सचिन पुरी पेश हुए। उन्होंने प्रदर्शन के कारण कारोबारियों को हुए नुकसान का मुद्दा उठाया। सीनियर एडवोकेट प्रशांत भूषण ने प्रदर्शनकारियों की निगरानी का मुद्दा उठाया।

व्यापारियों ने कहा- त्योहारों में 2000 करोड़ का नुकसान

सुनवाई के दौरान दिल्ली के व्यापारिक संगठनों की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने कहा कि प्रदर्शनों के कारण दिल्ली में कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। त्योहारों के सीजन में दुकानें बंद रहीं और बिक्री घट गई। उन्होंने दावा किया कि कारोबारियों को करीब 2,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। अगर त्योहारों के सीजन में बिक्री नहीं होगी तो व्यापारियों और उनसे जुड़े लोगों को भारी नुकसान होगा।

मेनका गुरुस्वामी ने कहा- 7 हजार लोगों को हिरासत में लिया

सुनवाई में सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी ने करीब 7 हजार लोगों को हिरासत में लिए जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने सवाल किया कि क्या लोकतंत्र के रूप में हम इससे प्रभावित नहीं हो रहे हैं? इस पर तुषार मेहता ने कहा कि इन लोगों को हिरासत में नहीं लिया गया था, बल्कि प्रदर्शन स्थल से हटाया गया था।

इन मामलों पर एक साथ सुनवाई

1. **मेट्रो और ट्रेन सेवाएं बंद करने का मामला:** प्रदर्शन के दौरान दिल्ली में मेट्रो स्टेशन बंद करने और दिल्ली आने-जाने वाली ट्रेनों पर पाबंदियां लगाने के फैसले को चुनौती दी गई है।
2. **सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना का मामला:** आरोप है कि अधिकारियों ने 9 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट के मेट्रो और ट्रेन सेवाएं पूरी तरह बंद नहीं करने के निर्देश का पालन नहीं किया। इस मामले में कोर्ट के आदेश की अवमानना का मुद्दा उठाया गया है।

अमेरिका में मिडटर्म चुनाव के लिए वोटिंग शुरू

8 राज्यों के पोलिंग बूथ खुले; ट्रम्प की पार्टी का बहुमत दांव पर, हारे तो पावरलेस प्रेसिडेंट बन जाएंगे



राष्ट्रबाण | वॉशिंगटन डीसी | एजेंसी
rashtrabaan.in

अमेरिका में मिडटर्म चुनाव के लिए मंगलवार को मतदान शुरू हो गया। भारतीय समयानुसार शाम 4:30 बजे सबसे पहले 8 राज्यों में पोलिंग बूथ खुले। इनमें कनेक्टिकट, इंडियाना, केंटकी, मेन, न्यू हैम्पशायर, न्यू जर्सी, न्यूयॉर्क और वर्जीनिया शामिल हैं। इन चुनावों में अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की सभी 435 सीटों और उच्च सदन सीनेट की 35 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। अमेरिका में राष्ट्रपति के चुनाव के ठीक दो साल बाद मिडटर्म चुनाव कराए जाते हैं। इसमें संसद की सीटों और कुछ राज्यों में गवर्नर के पदों के लिए मतदान होता है।

फिलहाल ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के पास संसद के दोनों सदनों में बहुमत है। अगर पार्टी इनमें से किसी एक सदन में भी बहुमत खो देती है, तो ट्रम्प के लिए अपने एजेंडे से जुड़े कानून पास कराना मुश्किल हो जाएगा। अमेरिकी संसद के दोनों सदनों में बहुमत हासिल करने के लिए अलग-अलग सीटों की जरूरत होती है।

5.7 करोड़ लोग पहले ही वोट कर चुके

मतदान शुरू होने से पहले ही 5.76 करोड़ लोग अर्ली वोटिंग के जरिए वोट डाल चुके हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ फ्लोरिडा के आंकड़ों के मुताबिक, इस बार शुरुआती वोटिंग 2022 के मिडटर्म चुनाव से आगे निकल गई है। 2022 में करीब 4.59 करोड़ लोगों ने अर्ली वोटिंग की थी। इस बार अर्ली वोटिंग में डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थकों की हिस्सेदारी ज्यादा रही है। हालांकि, रिपब्लिकन समर्थक आमतौर पर चुनाव के दिन मतदान करना पसंद करते हैं।

नेपाल में लैंडिंग के दौरान 2 हेलिकॉप्टर टकराए

भारतीय पर्यटक की मौत, न्यूजीलैंड का नागरिक और दोनों पायलट जख्मी

राष्ट्रबाण | काठमांडू | एजेंसी
rashtrabaan.in

नेपाल के एवरेस्ट क्षेत्र में मंगलवार सुबह लैंडिंग के दौरान दो हेलिकॉप्टर आपस में टकरा गए। हादसे में एक भारतीय पर्यटक की मौत हो गई, जबकि न्यूजीलैंड का एक भारतीय मूल का नागरिक घायल हो गया। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक, दोनों हेलिकॉप्टरों के रोटर ब्लेड आपस में टकराए थे।

हादसा सुबह 8:11 बजे सोलुखुम्बु जिले के फेरीचे हेलीपैड पर हुआ। यहां फिशटेल एयर और एयर डायनेस्टी के हेलिकॉप्टर उतरने की कोशिश कर रहे थे। अधिकारियों के मुताबिक फिशटेल एयर के हेलिकॉप्टर में सवार भारतीय पर्यटक वसंत कुमार बालारामारामाडु की मौत हुई है। इसी हेलिकॉप्टर में सवार न्यूजीलैंड के नागरिक शैलेश कृष्ण पटेल घायल हुए हैं। वे भारतीय मूल के हैं। नेपाल में पहाड़-घाटियां, बदलता मौसम, जोखिम भरे रनवे विमान या हेलिकॉप्टर हादसे की मुख्य वजह हैं। नेपाली अधिकारियों के मुताबिक एक हेलिकॉप्टर लुकला से आ रहा था, जबकि दूसरा एवरेस्ट बेस कैंप के पास गोरक्षेप की तरफ से लौट रहा था।



हाईकोर्ट बोला- भारत धर्मनिरपेक्ष देश : बीएमसी दीया मिर्जा का दिवाली वीडियो दोबारा अपलोड करे; ग्रीन पटाखे जलाने की अपील की थी

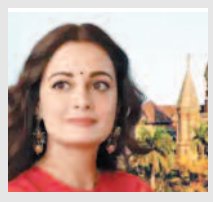
राष्ट्रबाण | मुंबई | एजेंसी
rashtrabaan.in

बॉम्बे हाईकोर्ट ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका यानी बीएमसी को एक्ट्रेस दीया मिर्जा का दिवाली वीडियो दोबारा अपलोड करने का आदेश दिया है। इस वीडियो में दीया ने लोगों से ग्रीन पटाखे जलाने और सार्वजनिक सड़कों पर पटाखे न फोड़ने की अपील की थी।

कोर्ट ने कहा- संविधान नागरिकों से धर्मनिरपेक्ष भावना बनाए रखने की अपेक्षा करता है। पर्यावरण के लिए जागरूकता फैलाने वाले वीडियो पर राजनीतिक विवाद करना दुर्भाग्यपूर्ण है। जस्टिस गिरीश कुलकर्णी और जस्टिस नीला गोखले की बेंच ने नेताओं की टिप्पणियों पर भी नाराजगी जताई। जस्टिस कुलकर्णी ने कहा- नेताओं ने कोर्ट के उस पुराने आदेश पर ध्यान दिए बिना टिप्पणी की, जिसमें सभी को जागरूकता अभियान में हिस्सा लेने की अनुमति दी गई थी।

बीएमसी एक्स हैंडल से हटाया गया था दीया का वीडियो

दरअसल, बीएमसी के आधिकारिक एक्स हैंडल और दूसरे सोशल मीडिया अकाउंट पर दीया मिर्जा का वीडियो रविवार को पोस्ट किया गया था और उसी रात इसे हटा दिया गया। भाजपा नेताओं ने एक्ट्रेस के वीडियो पर आपत्ति जताई थी। भाजपा मुंबई अध्यक्ष अमित साटम ने कहा था कि हमें त्योहार मनाने का तरीका किसी से सीखने की जरूरत नहीं है। उन्होंने पटाखों के खिलाफ अपील करने वालों को 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' का हिस्सा बताया। वीडियो हटाए जाने के बाद दीया ने सोशल मीडिया पर लिखा था- कोई पैसे नहीं लिए हैं।



रिपोर्ट- दिल्ली में सभी तरह के पटाखे बिक रहे : सुप्रीम कोर्ट का सरकार को जांच का आदेश

दिवाली पर सिर्फ ग्रीन पटाखे फोड़ने की परमिशन

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली के बाजारों में पटाखों की खुली बिक्री की खबर पर चिंता जताई। कोर्ट ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से आदेश के उल्लंघनों की जांच करने को कहा है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने हिन्दुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट का हवाला दिया। रिपोर्ट में कोर्ट के बैन के बावजूद अलग-अलग तरह के पटाखे बिकने की बात कही गई है।



कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली-हाईकोर्ट में 4 से 6 नवंबर तक सिर्फ प्रमाणित ग्रीन पटाखे बेचने की परमिशन दी थी। साथ ही 7 और 8 नवंबर को सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे तक फोड़ने की परमिशन दी है।

रिपोर्ट में दावा- पटाखे खुलेआम बिक रहे

हिन्दुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, चांदनी चौक, सदर बाजार, शास्त्री नगर, सरोजिनी नगर और न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी समेत दिल्ली के कई बाजारों में पटाखे खुलेआम बिक रहे हैं।

12 घंटे तक तेज हवाओं-बारिश का अलर्ट; हजारों पेड़-बिजली के पोल गिरे

तूफान मुरासु का केंद्र आंध्र प्रदेश से आगे बढ़ा

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

आंध्रप्रदेश के तट से टकराया चक्रवाती तूफान मुरासु तेलंगाना की ओर चला गया है। राहत की बात ये है कि इसकी तीव्रता 100 किमी प्रति घंटा से कम होकर 60 किमी प्रतिघंटा हो गई है।

इसका एक हिस्सा अब भी आंध्र के तट से गुजर रहा है, जिससे विजयवाड़ा समेत कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने मंगलवार शाम तक तेज हवाएं चलने और भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मुरासु सोमवार रात करीब 1 बजे आंध्र प्रदेश के तट से टकराया था। इस दौरान 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। तेज हवाओं से हजारों पेड़ उखड़ गए और बिजली के सैकड़ों खंभे क्षतिग्रस्त हो गए। कई नावों को भी नुकसान पहुंचा।

भारी बारिश से आंध्रप्रदेश के तटीय शहरों में सड़कें डूब गईं और हाईवे पर वाहन फंस गए। मंगलवार को विजयवाड़ा, विशाखापट्टनम, तिरुपति और चेन्नई एयरपोर्ट से 30 डॉमेस्टिक फ्लाइट्स रद्द रहीं।

आईएमडी बोला- दोपहर बाद तूफान कमजोर हो सकता है: आईएमडी की निदेशक मनोरमा मोहंती ने कहा, गहरा दबाव उत्तर-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ने और दोपहर तक धीरे-धीरे चक्रवाती तूफान मुरासु कमजोर पड़ने की संभावना है। इसकी वजह से 48 घंटों में ओडिशा में हल्की से मध्यम बारिश होगी।

आंध्र प्रदेश के 3 जिलों में रेड अलर्ट; मछुआरों को 2 दिन समुद्र में न जाने की सलाह

विशाखापत्तनम मौसम विभाग के निदेशक पीएलएन मूर्ति के मुताबिक, चक्रवाती तूफान मुरासु मंगलवार सुबह 3:30 से 5:30 बजे के बीच ओंगोल के पास आंध्र प्रदेश के तट को पार कर गया। फिलहाल यह दक्षिण आंध्र प्रदेश के तट के पास गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में मौजूद है।



तमिलनाडु में भारी बारिश; कुड्डालोर में स्कूल बंद

तमिलनाडु के कुड्डालोर में मंगलवार को स्कूल बंद कर दिए गए हैं। साइक्लोन मुरासु की वजह से भारी बारिश हुई है। कुड्डालोर डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने ये ऑर्डर तब जारी किए जब जिले के कई हिस्सों में आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और लगातार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त है।



सरकारी व निजी क्षेत्रों में बढ़ी फायर फाइटर्स की डिमांड

फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट में ट्रेंड मैनपावर की मांग न सिर्फ सरकारी विभागों में, बल्कि निजी क्षेत्र में भी बढ़ रही है। गर्मियों में आग लगने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। इसके अलावा, मानवीय भूलों से भी ऐसी घटनाएं बड़े हादसे के रूप में सामने आती हैं। ऐसी घटनाओं से होने वाली क्षति को कम करने और राहत पहुंचाने में फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट के एक्सपर्ट काफी मददगार होते हैं। अगर आप सोशल सर्विस से जुड़े किसी रोमांचक करियर को चुनना चाहते हैं, तो यह क्षेत्र आपके लिए बेहतर हो सकता है। फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट में ट्रेंड मैनपावर की मांग न सिर्फ सरकारी विभागों में, बल्कि निजी क्षेत्र में भी बढ़ रही है।

गर्मियों में आग लगने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। इसके अलावा, मानवीय भूलों से भी ऐसी घटनाएं बड़े हादसे के रूप में सामने आती हैं। ऐसी घटनाओं से होने वाली क्षति को कम करने और राहत पहुंचाने में फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट के एक्सपर्ट काफी मददगार होते हैं। अगर आप सोशल सर्विस से जुड़े किसी रोमांचक करियर को चुनना चाहते हैं, तो यह क्षेत्र आपके लिए बेहतर हो सकता है।

जरूरत मैनपावर की

देश भर में फायर सर्विसेज में मैनपावर की करीब 92 प्रतिशत कमी है। नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स एंड सिविल डिफेंस (एनडीआरएफ एंड सीडी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में सबसे ज्यादा करीब 96.28 प्रतिशत फायरमैन की शॉर्टेज है। शहरों की फायर सर्विसेज में भी करीब 78 प्रतिशत मैनपावर की कमी है। फायर स्टेशंस की भी कमी करीब 72 प्रतिशत तक है। खुद केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, देश में आबादी के लिहाज से करीब 8,500 फायर स्टेशंस चाहिए, जबकि इनकी संख्या अभी सिर्फ 2,900 के आसपास है। यही कारण है कि आने वाले वर्षों में सिर्फ प्राइवेट ही नहीं, सरकारी फायर विभागों में भी जॉब के ढेर सारे अवसर पैदा होंगे।

जॉब के अवसर

फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट के जानकारों की जरूरत सिर्फ देश में ही नहीं, विदेश में भी बहुत है, खास तौर पर तेल उत्पादक खाड़ी देशों में। गंगा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी के डॉ अमन अग्रवाल के अनुसार, फायर एंड सेफ्टी के प्रोफेशनल्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनीज, हैवी इंजीनियरिंग इंडस्ट्री, रिफाइनरीज, पेट्रोकेमिकल्स कंपनीज, प्लास्टिक कंपनीज, फर्टिलाइजर फैक्टरीज, टेक्सटाइल मिल्स, एलपीजी/ एलएनजी बॉटलिंग प्लांट्स, एयरपोर्ट्स, पोर्ट्स, पावर प्लांट्स, केमिकल कंपनीज, कंस्ट्रक्शन सेक्टर जैसे क्षेत्रों में जॉब पा सकते हैं। ट्रेंड युवा सेफ्टी इंजीनियर, सेफ्टी ऑफिसर, सेफ्टी सुपरवाइजर, सेफ्टी इंस्पेक्टर, सेफ्टी ऑडिटर, फायर प्रोटेक्शन डिजाइन इंजीनियर, फायर प्रोटेक्शन एस्टीमेशन इंजीनियर, फायर अलार्म टेक्निशियन जैसे पदों पर करियर बना सकते हैं। फायर स्टेशंस में आप फायरमैन, स्टेशन ऑफिसर या चीफ फायर ऑफिसर आदि बन सकते हैं।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

दिल्ली कॉलेज ऑफ फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग के डायरेक्टर जेड एस लाकरा के अनुसार, देश के कई संस्थानों में फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट से जुड़े डिग्री, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्सेज संचालित हो रहे हैं। 10वीं पास युवा सर्टिफिकेट कोर्स के जरिए इस फील्ड में प्रवेश कर सकते हैं। अगर आप किसी भी स्ट्रीम से 12वीं पास हैं, तो अंडरग्रेजुएट या डिप्लोमा कोर्स करके फायर ऑफिसर बन सकते हैं। आजकल तमाम संस्थान फायर इंजीनियरिंग में भी कोर्स ऑफर कर रहे हैं।

खुद का व्यवसाय भी

फायर सर्विस, दिल्ली के डायरेक्टर डॉ जीसी मिश्रा बताते हैं, अभी तक लोग सिर्फ नागपुर फायर सेफ्टी इंस्टीट्यूट से ही पढ़ाई करके इस फील्ड में आते रहे हैं मगर अब अन्य स्थानों पर भी प्रशिक्षण की सुविधा है। चुनौतियों को पसंद करने वाले युवा फायर सर्विसेज से जुड़ सकते हैं। सरकारी व निजी दोनों क्षेत्रों में अवसर हैं। बिल्डिंग फायर मटेरियल इंस्टॉलेशन, फायर सेफ्टी ऑडिटर के रूप में खुद का व्यवसाय भी कर सकते हैं।

सैलरी पैकेज

फायर एंड सेफ्टी मैनेजमेंट में कोर्स करके युवा निजी क्षेत्र में शुरूआत में 10 से 15 हजार रुपए आसानी से पा सकते हैं। सरकारी फायर विभागों में जॉइनिंग सैलरी ही करीब 25 हजार रुपए से शुरू होती है।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ फायर एंड सेफ्टी इंजीनियरिंग, नागपुर
- गंगा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, दिल्ली
- दिल्ली कॉलेज ऑफ फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग, दिल्ली
- इंडियन फायर सर्विसेज इंजीनियरिंग एंड सेफ्टी मैनेजमेंट कॉलेज, महाराष्ट



कुछ लीक से हटकर करना चाहते हैं तो इसे बतौर करियर अपना सकते है क्रोमो थेरेपी

आज के समय में लोग इलाज के लिए दवाईयों का सहारा नहीं लेते, बल्कि वैकल्पिक चिकित्सा पर अधिक जोर देते है। जिसके कारण कई तरह की चिकित्सा पद्धति अब प्रचलित होने लगी हैं। इन्हीं में से एक है क्रोमो थेरेपी। इसमें इलाज के लिए सौर स्पेक्ट्रम के सात रंगों (बैंगनी, इंडिगो, नीले, हरे, पीले, नारंगी, लाल) का उपयोग किया जाता है। यह एक बेहद इंटरेस्टिंग करियर है, जिसे आजकल काफी पसंद किया जा रहा है। अगर आप भी कुछ लीक से हटकर करना चाहते हैं तो इसे बतौर करियर अपना सकते है।

स्किल्स – अगर आप क्रोमोथेरेपी में करियर बनाना चाहते हैं तो आपमें कुछ स्किल्स होने चाहिए। सबसे पहले तो आपमें इस क्षेत्र में काम करने की रूचि होनी चाहिए। साथ ही लोगों की मदद करने का जज्बा होना चाहिए। एक बेहतर क्रोमोथेरेपिस्ट बनने के लिए आपको व्यक्ति पर प्रत्येक रंग के प्रभाव के बारे में जानकारी होनी चाहिए। चूंकि आपको लोगों से जुड़कर काम करना होता है, इसलिए आपके कम्युनिकेशन स्किल्स भी उतने ही बेहतर होने चाहिए। साथ ही आपको उतना ही अच्छा श्रोता भी होना चाहिए ताकि आप अपने पेशेंट की समस्याओं को बेहतर तरीके से सुन व समझ सकें।

योग्यता – क्रोमोथेरेपिस्ट बनने के लिए आपके पास क्रोमोथेरेपी में डिप्लोमा या बैचलर डिग्री होनी चाहिए। इसके साथ-साथ बायोलॉजी, केमिस्टी और फिजिक्स में ज्ञान होना जरूरी है। भारत में केवल कुछ ही इंस्टीट्यूट क्रोमोथेरेपी का कोर्स कराते हैं। इन अधिकतर इंस्टीट्यूटट में पांच वर्षीय बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज (बीएनवाईएस) पाठ्यक्रम के जरिए क्रोमोथेरेपी के बारे में सिखाया जाता है। इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए आपका 12वीं पास होना चाहिए। वहीं कलर थेरेपी में डिप्लोमा व बैचलर कोर्स की अवधि छह महीने से एक साल है। वहीं बैचलर सर्टिफिकेशन कोर्स दो साल का होता है।

संभावनाएं – एक क्वालिफाइड क्रोमोथेरेपिस्ट हॉस्पिटल्स से लेकर नेचुरोपैथी क्लिनकि, हेल्थ सेंटर्स में काम कर सकता है। इसके अलावा आप खुद का थेरेपी क्लिनिक भी खोल सकते हैं। वहीं आप रिसर्च वर्क से जुड़कर काम कर सकते हैं या फिर एजुकेशन में भी काम कर सकते हैं।

आमदनी – क्रोमोथेरेपिस्ट की आमदनी उनके स्किल्स और उनके अनुभव के आधार पर तय होती है। अधिकांश क्रोमोथेरेपिस्ट सेल्फ इंप्लाइड होते हैं और इसलिए आप प्रतिघंटे के आधार पर चार्ज कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, कोलकाता
- महेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन, जयपुर
- एक्यूप्रेशर अनुसंधान, प्रशिक्षण और उपचार संस्थान, जोधपुर

क्या है क्रोमो थेरेपी?

क्रोमो थेरेपी में मुख्य रूप से रंगों का ही इस्तेमाल किया जाता है। 'क्रोमो' शब्द ग्रीक भाषा से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'रंग'। क्रोमो थैरेपी का शाब्दिक अर्थ है रंगों के माध्यम से उपचारात्मक उपचार। इसे कलर थेरेपी, लाइट थेरेपी, हेलियो थेरेपी या कोलोरोलॉजी के नामों से भी जाना जाता है। कलर थेरेपी यूं तो हजारों वर्षों से चलन में है, लेकिन पिछले कुछ समय से लोगों का झुकाव इस ओर बढ़ा है। इस थेरेपी की मदद से अवसाद, एक्जिमा, उच्च रक्तचाप, मासिक धर्म की समस्याएं आदि का इलाज सफलतापूर्वक किया जाता है। कलर थेरेपी के अनुसार, मनुष्यों में कई विकार और रोग शरीर के ऊर्जा केंद्रों या चक्रों में असंतुलन के कारण होते हैं। प्रत्येक रंग शरीर के अलग-अलग हिस्सों से जुड़ा होता है यानी, विभिन्न ऊर्जा केंद्र, जिन्हें चक्रों के रूप में जाना जाता है और उनके स्वयं के प्राकृतिक उपचार गुण होते हैं। शरीर की प्रत्येक कोशिका को प्रकाश ऊर्जा की आवश्यकता होती है और जब रंग सही तरीके से प्रकाश के माध्यम से शरीर में प्रवेश करते हैं, तो इससे वे शरीर के उपचार गुणों को सक्रिय करते हैं। जिससे हीलिंग प्रोसेस काफी तेज होता है।



अच्छा कॅरियर विकल्प हो सकता है फिल्म क्रिटिक

एक फिल्म क्रिटिक किसी भी फिल्म को मनोरंजन के नजरिए से नहीं देखते, बल्कि उनका प्वाइंट ऑफ व्यू क्रिटिकल होता है। वह फिल्म के सब्जेक्ट को अच्छे तरीके से एनालाइज करके खूबियों व खामियों के बारे में बताते हैं। इस तरह से अगर देखा जाए तो एक फिल्म क्रिटिक रचनात्मक भूमिका निभाता है।

फिल्मों की दुनिया की चकाचौंध यकीनन हर किसी को अपनी ओर खींचती है। आजकल हर दूसरा व्यक्ति इस फिल्मी दुनिया से जुड़ने की कोशिश करता है। आमतौर पर लोग सिर्फ फिल्म में काम करने वाले कलाकार को ही देखते हैं और सिर्फ वहीं तक फिल्मी दुनिया को सीमित समझते हैं, जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। जहां एक फिल्म को परदे तक लाने में कई लोगों की मेहनत लगती है तो वहीं उस फिल्म की सच्चाई दर्शकों के सामने लाने का काम करते हैं फिल्म क्रिटिक। वह हर फिल्म को बेहद बारीकी से देखकर लोगों को उस फिल्म की खूबियों व खामियों से अवगत कराते हैं। फिल्म की रिलीज के बाद ही न सिर्फ आम जनता यहां तक कि फिल्म की मेकिंग स्टार कास्ट व अन्य लोग भी फिल्म क्रिटिक के रिव्यू का इंतजार करते हैं। ऐसे में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

क्या होता है काम

एक फिल्म क्रिटिक किसी भी फिल्म को मनोरंजन के नजरिए से नहीं देखते, बल्कि उनका प्वाइंट ऑफ व्यू क्रिटिकल होता है। वह फिल्म के सब्जेक्ट को अच्छे तरीके से एनालाइज करके खूबियों व खामियों के बारे में बताते हैं। इस तरह से अगर देखा जाए तो एक फिल्म क्रिटिक रचनात्मक भूमिका निभाता है। वह फिल्म को निष्पक्ष होकर देखता है और फिल्म की हर छोटी-बड़ी बात के बारे में खुलासा करता है। फिल्म क्रिटिक के रिव्यू के कारण ही फिल्म मेकर अपनी आने वाली फिल्मों में उन गलतियों को नहीं दोहराते, जिन्हें वह पहले फिल्म में कर चुके हैं। फिल्म क्रिटिक अपने रिव्यू के जरिए हर आने वाली फिल्म को और भी अधिक बेहतर बनाता है।



स्किल्स

इस क्षेत्र में खुद को साबित करने के लिए व्यक्ति का उतना गुणी होना भी जरूरी है क्योंकि आपकी बात को कोई भी व्यक्ति तभी सीरियसली लेगा, जब आपकी बात में वजन हो और इसके लिए ज्ञान का होना बेहद आवश्यक है। इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों को न सिर्फ पढ़ने की आदत होनी चाहिए, बल्कि उन्हें इस फील्ड व इसके लोगों के बारे में जानकारी भी होनी चाहिए। अगर आपके पास फिल्मों की अच्छी नॉलेज होने के साथ-साथ अपने काम के प्रति पैशन भी है, तभी आप इस क्षेत्र में आगे कदम बढ़ाने के बारे में सोचें। इसके अलावा कई बार आपको लंबे समय तक फिल्में देखनी पड़ती हैं, कई बार तो एक ही दिन में दो-तीन फिल्में लगातार भी। आपको इसके लिए भी शारीरिक व मानसिक रूप से तैयार होना चाहिए। वहीं इस क्षेत्र की मुख्य विशेषता है निष्पक्षता। आप चाहें कितने भी बड़े स्टार या अपने पसंदीदा कलाकार की फिल्म देखें, लेकिन फिल्म का रिव्यू करते समय आपको निष्पक्ष होकर ही अपना मत देना होगा।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए अलग से कोई विशेष कोर्स उपलब्ध नहीं है, लेकिन अगर आप इस क्षेत्र से जुड़े कोर्स करते हैं तो यकीनन आप चीजों को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे, जैसे पोस्ट ग्रेजुएशन इन मास कम्युनिकेशन या सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स करके भी आप फिल्म की बारीकियों को समझेंगे।

संभावनाएं

जिस तरह फिल्मों का प्रॉडक्शन बढ़ रहा है, फिल्म क्रिटिक्स की मांग भी बढ़ने लगी है। आप प्रिंट या इलेक्टानिक मास मीडिया हाउसेज में जॉब कर सकते हैं। इसके अलावा इन्हें कई फिल्म फेयर अवार्ड गिविंग आर्गेनाइजेशन द्वारा भी ज्यूरी के तौर पर हायर किया जाता है ताकि बेहतरीन फिल्मों को उनके काम के लिए सम्मानित किया जा सके। वहीं अगर आप चाहें तो कई सोशल मीडिया वेबसाइट पर भी काम की तलाश कर सकते हैं या फिर खुद का ब्लॉग व वेबसाइट भी चला सकते हैं।

सैलरी

एक फिल्म क्रिटिक को अगर फिल्मों की अच्छी समझ है तो शुरूआती दौर में ही आप 25000 से 30000 रूपए आसानी से कमा सकते हैं। वहीं कुछ सालों के एक्सपीरियंस के बाद आपकी सैलरी 100000 से 150000 रूपए भी हो सकती है।



कॅरियर बनाने के लिए उभरता क्षेत्र है फैशन कम्युनिकेशन

एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट को कई काम करने होते हैं। वह अपने क्लाइंट या कंपनी की एक बेहतरीन छवि बनाता है। साथ ही वह अपने क्लाइंट के उत्पाद को टार्गेट कस्टमर्स तक सर्वोत्तम तरीके से पहुंचाता है। इतना ही नहीं, वह ब्रांड के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार के तरीकों पर भी नजर रखता है।

जब भी फैशन इंडस्टी की बात होती है तो लोग फैशन डिजाइनर या मॉडल बनने की ही चाहत रखते हैं। लेकिन यह एक ऐसी इंडस्टी है, जिसमें पिछले काफी सालों में बदलाव आया है और इसी कारण अब इस क्षेत्र में करियर की नई संभावनाओं ने जन्म दिया है। फैशन इंडस्टी में एक ऐसा ही करियर है फैशन कम्युनिकेशन है। यह तेजी से उभरता क्षेत्र है और अब युवाओं का आकर्षण इस ओर बढ़ने लगा है। जानते हैं विस्तार से इसके बारे में-

क्या होता है काम

एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट को कई काम करने होते हैं। वह अपने क्लाइंट या कंपनी की एक बेहतरीन छवि बनाता है। साथ ही वह अपने क्लाइंट के उत्पाद को टार्गेट कस्टमर्स तक सर्वोत्तम तरीके से पहुंचाता है। इतना ही नहीं, वह ब्रांड के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार के तरीकों पर भी नजर रखता है। अपने क्लाइंट व बिजनेस हाउस की तरफ से मीडिया के साथ कम्युनिकेट व डील करते हैं। एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट डिजाइन लेआउट, वेब पेज और मल्टीमीडिया डिजाइन डेवलप करता है।



स्किल्स

इस क्षेत्र में आपकी मार्केटिंग स्टेटजी अच्छी होनी चाहिए। साथ ही आपमें कम्युनिकेशन व नेटवर्किंग स्किल्स भी बेहतरीन होने चाहिए, इसके बिना आपको अपने क्षेत्र में कठिन संघर्ष करना पड़ सकता है। वहीं इस क्षेत्र में डेडलाइन पर काम करना होता है, इसलिए आपको कई-कई घंटे लगातार काम करना पड़ता है। इसलिए अगर आपमें धैर्य व कठिन परिश्रम करने की क्षमता नहीं है तो आप इस क्षेत्र में नहीं टिक पाएंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मौखिक व लिखित दोनों ही रूपों में अलग-अलग भाषा पर पकड़ अच्छी होनी चाहिए।

योग्यता

फैशन कम्युनिकेशन में भविष्य देख रहे छात्र 12वीं के बाद फैशन कम्युनिकेशन में बैचलर डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। इसके बाद आप फैशन कम्युनिकेशन में ही मास्टर और डॉक्टरेट भी कर सकते हैं।

संभावनाएं

फैशन कम्युनिकेशन का कोर्स करने के बाद आप फैशन डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, फैशन पत्रकार, प्रोफेसर, डिजाइन सहायक, फैशन सहायक, फैशन मार्केटिंग मैनेजर, फैशन एडिटर, फैशन फोटोग्राफर, कला निर्देश आदि भूमिकाएं अदा कर सकते हैं। इस कोर्स को करने के बाद कई इंडियन व इंटरनेशनल ब्रांड के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी आपके काम पर निर्भर करती है और अनुभव के साथ आमदनी भी बढ़ती है। वैसे शुरूआती दौर में आप सालाना 2 से 3 लाख रूपए आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, विभिन्न केन्द्र
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, गुजरात
- सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, पुणे
- इंस्टीट्यूट ऑफ अपैरल मैनेजमेंट, गुरूग्राम
- जेडी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, नई दिल्ली
- पर्ल अकेडमी ऑफ फैशन, विभिन्न केन्द्र



राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 4 नवंबर 2026

बालाघाट राष्ट्रबाण

● बैहर ● बिरसा ● कटंगी ● तिरोड़ी ● कटंगी ● खैरलांजी ● किरनापुर ● लालबर्रा ● लांजी ● परसवाड़ा ● वारासिवनी

बैहर की बैगा महिलाओं को मिली सड़क, पुलिया और आंगनबाड़ी की सौगात

कलेक्टर की जनसुनवाई में उमड़े फरियादी, पहुंचे 120 आवेदक ; कलेक्टर ने मौके पर ही दिए समाधान के निर्देश

धान पंजीयन, जमीन कब्जा और मजदूरी भुगतान से जुड़े मामलों में अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश



बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में जिलेभर से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष रखीं। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस जनसुनवाई में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री तनुश्री मीणा, अपर कलेक्टर श्री डीपी बर्मन और संयुक्त कलेक्टर श्री सुधीर जैन ने कुल 120 आवेदकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित निराकरण के कड़े निर्देश दिए।

प्रमुख मामले और त्वरित निर्देश:

बैहर की बैगा महिलाओं की सुनी गुहार: बैहर विकासखंड के ग्राम पाथरी के आमाटोला से आई बैगा जनजाति की महिलाएं प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क (ग्राम माडे से उनके गांव) तक सड़क, पुलिया और आंगनवाड़ी की मांग लेकर पहुँची थीं। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने उनकी समस्या पर तुरंत संज्ञान लेते हुए ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन यंत्री को स्थल निरीक्षण कर प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही, आमाटोला में आंगनवाड़ी स्वीकृत करने और स्वयं गांव आकर स्थिति का जायजा लेने का आश्वासन दिया, जिससे महिलाएं बेहद खुश हुईं।

अस्पताल के कार्य का बकाया भुगतान और अन्य मामले:

वारासिवनी के वार्ड 07 निवासी दुर्गेश देव्हारे द्वारा सिविल अस्पताल में नल-बिजली फिटिंग कार्य का एक साल से लंबित मजदूरी भुगतान न मिलने की शिकायत पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए गए। जंगली जानवर के हमले में पिता की मृत्यु के बाद सहायता राशि की मांग करने पहुँची ग्राम टेकाड़ी की रेशमी उइके के मामले में वनमंडलाधिकारी (दक्षिण सामान्य) को आवश्यक कार्रवाई के लिए कहा गया। इसके अलावा कोसमी वार्ड 11 में सड़क-नाली व विद्युत व्यवस्था, मगरदर्रा के कुसनलाल हरिनखेड़े का जन्म प्रमाण पत्र, किरनापुर करियादंड की आंचल बिबिनाके की आंगनवाड़ी सहायिका चयन प्रक्रिया, और लांजी टेकरी की रेखा रुदंला के स्वामित्व योजना से जुड़े मामलों में भी संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए।

धान पंजीयन में आ रही तकनीकी अड़चनें हुईं दूर:

किरनापुर के ग्राम बूढ़ी निवासी ओमप्रकाश बिसेन का सेवा सहकारी समिति मोहगांव में नाम भेजने के बावजूद पंजीयन न होने की शिकायत पर जिला आपूर्ति अधिकारी को शीघ्र पंजीयन कराने के निर्देश दिए गए। बालाघाट तहसील के ग्राम चिचगांव की रामबती बघेल के नए मोबाइल नंबर से आधार अपडेट होने के बावजूद पुराने नंबर पर ओटीपी आने की समस्या पर भी जिला आपूर्ति अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

जमीन कब्जा और धार्मिक स्थल निर्माण की शिकायत:

वारासिवनी के ग्राम डोके निवासी राकेश बिसेन ने पैतृक भूमि के सामने धार्मिक स्थल के निर्माण से आवागमन बाधित होने की शिकायत की, जिस पर एसडीएम वारासिवनी को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बालाघाट के ग्राम ओदा के विजेश वल्के द्वारा तीन पीढ़ियों से काबिज जमीन पर जबरन कब्जा किए जाने के मामले में बालाघाट तहसीलदार को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

ग्रामीण शिल्प और हुनर को मिलेगा बाजार

4 नवंबर से बालाघाट में सजेगा तीन दिवसीय 'दीपांजलि आजीविका संगम मेला'

मिट्टी के दीये, बर्तन, सजावटी सामान, हाथकरघा की साड़ियां और जैविक उत्पाद होंगे आकर्षण का केंद्र ; ग्रामीण कारीगरों को मिलेगा अपनी कला और उत्पादों के प्रचार-प्रसार का अवसर

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

ग्रामीण शिल्पियों, पारंपरिक कारीगरों और स्व-सहायता समूहों के हुनर को बाजार उपलब्ध कराने तथा उनके उत्पादों को नई पहचान दिलाने के उद्देश्य से बालाघाट में 4 से 6 नवंबर तक तीन दिवसीय आवासीय 'दीपांजलि आजीविका संगम मेला' आयोजित किया जाएगा। मुलना स्टेडियम परिसर में इंडियन कॉफी हाउस के पास आयोजित होने वाले इस मेले में ग्रामीण अंचलों की कला, संस्कृति, पारंपरिक शिल्प और स्थानीय उत्पादों की आकर्षक झलक देखने को मिलेगी। मेले का शुभारंभ 4 नवंबर को प्रातः 11 बजे होगा।

जिला पंचायत बालाघाट द्वारा मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एवं राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, नगर पालिका परिषद बालाघाट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस मेले का उद्देश्य स्व-सहायता समूहों के सदस्यों, ग्रामीण शिल्पियों और कारीगरों को अपनी मेहनत से तैयार उत्पादों के प्रदर्शन एवं विक्रय के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराना है। इसके माध्यम से ग्रामीण कारीगरों को सीधे बाजार से जुड़ने, अपने उत्पादों की मांग समझने तथा ग्राहकों की पसंद और बाजार की जरूरतों से परिचित होने का अवसर मिलेगा। मेले में ग्रामीण शिल्पियों और कारीगरों द्वारा तैयार मिट्टी के दीये, मिट्टी के बर्तन, सजावटी सामान, हस्तशिल्प सामग्री, हाथकरघा की साड़ियां, खादी एवं अन्य वस्त्र, जैविक उत्पाद सहित स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित विभिन्न उपयोगी एवं आकर्षक सामग्री प्रदर्शित की जाएगी।

वारासिवनी में नहर से मिला इंडियन गौर का शव, वन विभाग ने किया रेस्क्यू



बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

जिले के वारासिवनी वन परिक्षेत्र अंतर्गत रेलवे क्रॉसिंग के पास नहर में मंगलवार को एक इंडियन गौर का शव बरामद किया गया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए गौर के शव को नहर से बाहर निकाला। प्रथम दृष्टया आशंका जताई जा रही है कि यह शव 18 अक्टूबर 2026 को इसी क्षेत्र में रेस्क्यू किए गए दो नर इंडियन गौर के शवों के साथ बहकर आया होगा।

वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 3 नवंबर 2026 को सुबह लगभग 11 बजे वनमंडलाधिकारी दक्षिण सामान्य वनमंडल बालाघाट को सूचना मिली कि वारासिवनी वन परिक्षेत्र अंतर्गत रेलवे क्रॉसिंग नहर के पास पानी में एक इंडियन गौर का शव दिखाई दे रहा है। सूचना मिलने पर वनमंडलाधिकारी दक्षिण सामान्य वनमंडल बालाघाट, उपवनमंडलाधिकारी कटंगी सामान्य तथा वन परिक्षेत्र अधिकारी वारासिवनी की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान चलाकर शव को बाहर निकाला।

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, रेलवे पटरी के नीचे नहर में पानी का स्तर कम होने के कारण गौर का शव दिखाई दिया था। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी थी। शव की स्थिति को देखते हुए प्रथम दृष्टया यह आशंका जताई गई कि यह शव 18 अक्टूबर को इसी स्थान पर रेस्क्यू किए गए दो नर इंडियन गौर के शवों के साथ पानी में बहकर आया होगा। रेलवे क्रॉसिंग पर बनी पुलिया में लोहे के सरिये निकले हुए हैं। संभावना है कि शव इन्हीं सरियों के बीच फंस गया था, जिसके कारण वह आगे नहीं बह सका और पानी का स्तर कम होने पर दिखाई दिया। रेस्क्यू के बाद इंडियन गौर के शव को वन परिक्षेत्र वारासिवनी के परिसर में लाया गया। यहां नियमानुसार वैधानिक प्रक्रिया पूरी करते हुए वन संरक्षक, वनवृत्त बालाघाट एवं वनमंडलाधिकारी दक्षिण सामान्य वनमंडल बालाघाट की उपस्थिति में दो पशु चिकित्सकों द्वारा वन्यप्राणी का शव परीक्षण किया गया। परीक्षण के दौरान आवश्यक नमूने भी एकत्रित किए गए।

शव परीक्षण की कार्रवाई पूरी होने के बाद मृत वन्यप्राणी इंडियन गौर के संपूर्ण शारीरिक अवशेषों का निर्धारित विभागीय प्रक्रिया एवं नियमानुसार भस्मीकरण किया गया। वन विभाग द्वारा पूरी कार्रवाई की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी भी कराई गई है। वन विभाग ने इस मामले में वन अपराध प्रकरण दर्ज कर लिया है। घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, रेस्क्यू से लेकर शव परीक्षण और अंतिम प्रक्रिया तक सभी कार्रवाई निर्धारित नियमों के तहत पूरी की गई है।

नरवाई जलाने पर लगा प्रतिबंध, आदेश जारी

खेतों में पराली जलाने वाले किसानों पर लगेगा 2500 से 15 हजार रुपये तक जुर्माना, होगी कानूनी कार्रवाई



बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

जिले में फसल कटाई के बाद खेतों में पराली (नरवाई) जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री आदित्य सिंह ने प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। यह आदेश 3 नवंबर 2026 को जारी किया गया है और तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। आदेश आगामी आदेश तक पूरे बालाघाट जिले की राजस्व सीमा में प्रभावशील रहेगा। जारी आदेश के अनुसार, फसल कटाई के बाद खेतों में पराली अथवा नरवाई जलाना प्रतिबंधित रहेगा। कलेक्टर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 तथा वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम 1981 के प्रावधानों के तहत यह आदेश जारी किया है।

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि कोई भी किसान अथवा व्यक्ति पराली या नरवाई में आग नहीं लगाएगा। हार्वेस्टर से धान की कटाई के बाद पराली के बंडल बनाने के लिए बेलर मशीन का उपयोग करना आवश्यक होगा। हार्वेस्टर संचालकों को बेलर मशीन स्वयं की अथवा कस्टम हायरिंग सेंटर से या व्यक्तिगत बेलर मशीन धारक से किराये पर प्राप्त कर हार्वेस्टर के साथ उसका उपयोग करना अनिवार्य होगा।

आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 तथा आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा 51 से 60 एवं वायु प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम 1981 के तहत दंडात्मक एवं जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। पर्यावरण विभाग के प्रावधानों के अनुसार नरवाई जलाने पर कृषि भूमि के रकबे के आधार पर जुर्माना निर्धारित किया गया है। इसके तहत दो एकड़ तक भूमि वाले किसानों पर प्रत्येक घटना के लिए 2500 रुपये, दो से पांच एकड़ तक भूमि वाले किसानों पर 5000 रुपये तथा पांच एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों पर प्रत्येक घटना के लिए 15 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया जाएगा।

उपभोक्ता आयोग से कुंवरलाल मोहारे को मिला न्याय

बीमा कंपनी को 1.49 लाख रुपये से अधिक भुगतान के आदेश

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग बालाघाट ने बीमा क्लेम निरस्त करने के मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेंस कंपनी, जबलपुर को सेवा में कमी का दोषी माना है। आयोग ने बीमित वाहन की क्षतिपूर्ति के रूप में उपभोक्ता कुंवरलाल मोहारे को 1 लाख 42 हजार रुपये देने के साथ ही 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज, मानसिक एवं शारीरिक वेदना के लिए 5 हजार रुपये तथा वाद व्यय के रूप में 2 हजार रुपये अदा करने के आदेश दिए हैं। कंपनी को संपूर्ण राशि का भुगतान आदेश पारित होने के एक माह के भीतर करना होगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिला उपभोक्ता आयोग बालाघाट में 29 अक्टूबर 2026 को यह आदेश पारित किया गया। प्रकरण में बालाघाट निवासी कुंवरलाल मोहारे ने अपनी टाटा पंच एडीवी कार क्रमांक एमपी-50-जेडडी-5947 का बीमा यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेंस कंपनी, जबलपुर से कराया था। उन्होंने 11 मार्च 2024 को सुनील ऑटोमोबाइल, टाटा मोटर्स लिमिटेड छिंदवाड़ा से 7 लाख 91 हजार रुपये में वाहन खरीदा था। इसके बाद वाहन का बीमा कराने के लिए 26,104 रुपये प्रीमियम जमा किया गया था। बीमा पॉलिसी की अवधि 20 मार्च 2024 से 19 मार्च 2027 तक थी, जिसमें एक वर्ष की ओडी कवरेज शामिल थी।

घटना 19 अगस्त 2024 की है, जब कुंवरलाल मोहारे अपनी कार से ग्राम खखैरी से गृह ग्राम भटेरा, बालाघाट की ओर आ रहे थे। इसी दौरान अचानक वाहन अनियंत्रित होकर पुल से टकरा गया, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना की सूचना बीमा कंपनी को दी गई। कंपनी द्वारा वाहन को मरम्मत के लिए सुनील ऑटोमोबाइल, छिंदवाड़ा वर्कशॉप भेजा गया।

वाहन की मरम्मत कराने के बाद उपभोक्ता ने 1 लाख 42 हजार 483 रुपये का बिल आवश्यक दस्तावेजों के साथ बीमा कंपनी को प्रस्तुत किया और बीमा क्लेम की राशि मांगी। लेकिन बीमा कंपनी ने अन्य वाहन से आमने-सामने की टक्कर होने का आधार बताते हुए 16 सितंबर 2024 को बीमा दावा निरस्त कर दिया। इससे क्षुब्ध होकर उपभोक्ता ने जिला उपभोक्ता आयोग बालाघाट में परिवाद प्रस्तुत किया।

प्रकरण की सुनवाई के दौरान जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग के अध्यक्ष श्री उपेन्द्र कुमार सोनकर तथा सदस्य डॉ. महेश कुमार चांडक एवं श्रीमती हर्षा बिजेवार डोहरे की संयुक्त पीठ ने मामले में प्रस्तुत दस्तावेजों और तथ्यों का परीक्षण किया। आयोग ने पाया कि बीमा कंपनी द्वारा दावा निराकरण के लिए महत्वपूर्ण मानी जाने वाली सर्वेयर रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई। वहीं, उपभोक्ता ने वाहन की मरम्मत पर हुए खर्च के दस्तावेज और बिल प्रस्तुत किए थे। आयोग ने बीमा कंपनी द्वारा वैध बीमा दावे को निरस्त करने की कार्रवाई को सेवा में कमी मानते हुए उपभोक्ता के पक्ष में निर्णय सुनाया।

एक माह में करना होगा भुगतान



आयोग ने यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को कुंवरलाल मोहारे को वाहन क्षतिपूर्ति के रूप में 1 लाख 42 हजार रुपये देने के आदेश दिए हैं। इसके अतिरिक्त 3 अप्रैल 2025 से वास्तविक भुगतान की तारीख तक 6 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज, शारीरिक एवं मानसिक वेदना के लिए 5 हजार रुपये तथा वाद व्यय के रूप में 2 हजार रुपये भी अदा करने होंगे। इस प्रकार उपभोक्ता को मूल क्षतिपूर्ति, मानसिक वेदना और वाद व्यय के रूप में कुल 1 लाख 49 हजार रुपये मिलेंगे। इसके अतिरिक्त निर्धारित अवधि के अनुसार ब्याज भी देय होगा।

नक्सल प्रभावित ग्राम सोनपुरी में किसानों को नि :शुल्क वितरित किया सरसों बीज

तिलहन फसलों की खेती और फसल विविधीकरण को मिलेगा बढ़ावा



बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

जिले के नक्सल प्रभावित 100 ग्रामों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयासों के तहत कृषि विभाग द्वारा किसानों को उन्नत कृषि गतिविधियों से जोड़ने की पहल की जा रही है। इसी कड़ी में विकासखंड बिरसा के ग्राम सोनपुरी में किसानों की मांग एवं आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए वैल्यू चेन पार्टनर ऑयलसीड मिशन के अंतर्गत कृषकों को सरसों बीज का निःशुल्क वितरण किया गया।

उपसंचालक कृषि श्री फूल सिंह मालवीय के निर्देशानुसार तथा वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, विकासखंड बिरसा के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बैहर श्री अनिकेत शांडिल्य, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं ग्राम पंचायत की सरपंच की उपस्थिति में किसानों को सरसों बीज वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य नक्सल प्रभावित क्षेत्र के किसानों को परंपरागत फसलों के साथ तिलहन फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित करना तथा फसल विविधीकरण को बढ़ावा देना है।

जिला चिकित्सालय में बड़ी लापरवाही : सीएमएचओ ने दिए कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान नहीं मिले एक भी ड्यूटी डॉक्टर

अस्पताल के वार्डों का जायजा लेने पहुँचे थे सीएमएचओ डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया, मरीजों से जानी स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया ने 03 नवंबर की सुबह जिला चिकित्सालय बालाघाट का आकस्मिक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान अस्पताल की व्यवस्थाओं की पोल उस वक्त खुल गई, जब निरीक्षण के दौरान कोई भी ड्यूटी डॉक्टर अपनी निर्धारित सीट पर उपस्थित नहीं पाया गया। अचानक हुए इस निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ डॉ. दाहिया ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का गहन निरीक्षण किया और उपचार के लिए भर्ती मरीजों से सीधे चर्चा कर उन्हें मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जमीनी हकीकत जानी। इसके साथ ही उन्होंने ड्यूटी पर तैनात नर्सिंग स्टाफ से भी विस्तृत चर्चा कर मरीजों के उपचार एवं देखभाल की व्यवस्था के संबंध में आवश्यक जानकारी प्राप्त की।



जताई कड़ी नाराजगी

ड्यूटी समय के दौरान चिकित्सकों के अस्पताल से गायब और अनुपस्थित पाए जाने पर सीएमएचओ डॉ. दाहिया ने गहरी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने इस गंभीर लापरवाही को प्रशासनिक अनुशासनहीनता मानते हुए सभी अनुपस्थित चिकित्सकों को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करने के कड़े निर्देश दिए हैं।

अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश

निरीक्षण के अंत में सीएमएचओ ने अस्पताल प्रबंधन को कड़ी हिदायत देते हुए कहा कि जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाए रखने और दूर-दराज से आने वाले मरीजों को समय पर उचित उपचार उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए उन्होंने चिकित्सकों एवं अन्य सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों की ड्यूटी के दौरान अनिवार्य और समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया, ताकि आम जनता को स्वास्थ्य लाभ मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

राष्ट्रबाण
सिवनी, बुधवार 4 नवंबर 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

पुलिस के जाल में नशे सौदागर

6 थानों की ताबड़तोड़ दबिश, 13 किलो से ज्यादा गांजा और पौधों के साथ 6 तस्कर गिरफ्तार

गांजा तस्करों पर हुई सिवनी पुलिस ताबड़तोड़ कार्रवाई से मचा हड़कंप

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in



कृष्ण लालचंदानी, पुलिस अधीक्षक सिवनी : नशे के सौदागरों पर नकेल कसने दिए सख्त निर्देश।

जिले में पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के सख्त तेवरों और चलाए जा रहे विशेष एंटी-ड्रग्स अभियान के तहत खाकी ने नशे के कारोबारियों की कमर तोड़ दी है। पिछले कुछ दिनों के भीतर जिले के बंडोल, लखनवाड़ा, कुरई, डूण्डासिवनी, धनौरा और घंसौर थाना क्षेत्रों में पुलिस ने एक के बाद एक कई सफल और आक्रामक कार्रवाई करते हुए नशे के अवैध नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। इस संयुक्त और ताबड़तोड़ कार्रवाई में पुलिस ने कुल 13 किलो से अधिक अवैध गांजा, गांजे के हरे-भरे पौधे, वजन तौलने की तराजू और तस्करी में इस्तेमाल होने वाली मोटरसाइकिल समेत 6 शातिर आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुँचा दिया है।

वही सिवनी पुलिस की इस आक्रामक, ताबड़तोड़ और सटीक कार्यशैली से जिले के ड्रग्स तस्करों और असामाजिक तत्वों में हड़कंप मच गया है। पुलिस अधिकारियों के इन कड़े निर्देशों ने यह साफ कर दिया है कि जिले की धरती पर अवैध नशे का कारोबार करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

सभी छः कार्रवाइयों पर एक नजर

● **थाना बंडोल** : वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने बस से उतरकर भाग रहे राजेंद्र पिता उमराव सिंह राजपूत (56) निवासी गोरखपुरकला को घेराबंदी कर दबोचा। आरोपी के कब्जे से पीले रंग की थैली में छिपाकर रखा गया 241 ग्राम अवैध गांजा कीमत 2,400 रूपये बरामद कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

● **थाना लखनवाड़ा** : कन्हरगांव-जाम रोड पुलिया के पास मुखबिर की पुख्ता सूचना पर दबिश देकर पुलिस ने हनुमान मरकाम पिता जियनलाल मरकाम (55) निवासी कन्हरगांव को पकड़ा। उसके पास से हरे थैले में रखा 232 ग्राम गांजा कीमत 4,200 रूपये और बिक्री के काम आने वाला एक छोटा तराजू जप्त किया गया।

● **थाना कुरई** : मोहगांव सड़क इलाके में अखिलेश सोनी पिता संतोष सोनी (36) अपनी ही दुकान के सामने प्लास्टिक की थैली में गांजा लेकर ग्राहकों का इंतजार कर रहा था। पुलिस टीम ने एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों का पालन करते हुए दबिश दी और आरोपी के पास से 679 ग्राम गांजा कीमत 6,790 रूपये रंगे हाथों जप्त किया।

● **थाना डूण्डासिवनी** : मंडला रोड से डुंगरिया की ओर गश्त के दौरान पुलिस को देखकर खेत की तरफ भाग रहे गुरूप्रसाद पिता ललताप्रसाद तिवारी (55) निवासी डुंगरिया को खदेड़कर पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसकी सफेद पॉलीथीन से 377 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ।

● **थाना धनौरा** : पुलिस ने केवल पुड़िया बेचने वालों पर ही नहीं, बल्कि सीधे खेती करने वाले शातिर तस्कर पर बड़ा शिकंजा कसा। ग्राम उमरपानी निवासी चौधरी उर्फ रिंकू मरावी पिता डालचंद मरावी (30) ने अपने घर के पीछे बाड़ी में अवैध रूप से गांजे की खेती कर रखी थी। पुलिस ने छापा मारकर बाड़ी में मिट्टी में लहलहा रहे गांजे के 10 हरे पत्तेदार पौधे उखाड़े, जिनका कुल वजन 11 किलोग्राम और अनुमानित कीमत 66,000 रूपये आंकी गई है।

● **थाना घंसौर** : घंसौर-मंडला तिराहा समनापुर रोड पर चेकिंग के दौरान मोटर साइकिल क्रमांक एमपी22एमपी5429 से गांजा खपाने जा रहे आदित्य उर्फ अज्जू उर्फ अजय यादव (32) निवासी पुरानी बस्ती घंसौर को घेराबंदी कर दबोचा गया। आरोपी की तलाशी और वाहन से 1 किलो 206 ग्राम गांजा कीमत 20,000 रूपये तथा प्रयुक्त मोटरसाइकिल जप्त कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

रेडक्रॉस समिति ने नवागत कलेक्टर से की सौजन्य भेंट

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर हुई चर्चा



सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

जिला रेडक्रॉस समिति सिवनी की प्रबंध समिति ने मंगलवार को जिले की नवागत कलेक्टर अंजू अरुण कुमार से सौजन्य भेंट कर उनका स्वागत किया। इस मुलाकात के दौरान जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने, जरूरतमंद मरीजों को त्वरित उपचार सहायता उपलब्ध कराने तथा आगामी जनहितैषी गतिविधियों की कार्ययोजना पर विस्तार से सकारात्मक चर्चा की गई। भेंट के दौरान जिला रेडक्रॉस समिति के सचिव अरुण राय ने कलेक्टर को समिति द्वारा पूर्व में किए गए सामाजिक व स्वास्थ्य संबंधी कार्यों की जानकारी दी तथा आगामी समय में प्रस्तावित जनसेवा गतिविधियों से अवगत कराया।

ग्वालियर के अनुभवों के आधार पर मेगा शिविर की योजना

कलेक्टर अंजू अरुण कुमार ने ग्वालियर में अपने कार्यकाल के अनुभवों को साझा करते हुए सिवनी जिले में भी बड़े स्तर पर स्वास्थ्य कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन के जरिए जिले में तीन दिवसीय मेगा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा सकता है। मरीजों की व्यापक स्वास्थ्य जांच करना, जरूरतमंदों को मौके पर ही आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना। गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को चिह्नित कर उनके समुचित व विशेष उपचार की व्यवस्था करना, प्राथमिक उपचार और सीपीआर का प्रशिक्षण, कलेक्टर ने आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए युवाओं और विद्यार्थियों को जागरूक व सक्षम बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिले के स्कूलों और कॉलेजों में सीपीआर तथा प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा, ताकि आपात समय में जनहानि को रोका जा सके।

दीपावली के बाद होगी विस्तृत बैठक

इन सभी जनहितैषी गतिविधियों की विस्तृत रूपरेखा तैयार करने के लिए दीपावली के बाद जिला रेडक्रॉस समिति की एक विशेष बैठक बुलाई जाएगी। इस आगामी बैठक में आम नागरिकों को सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनऔषधि केंद्रों के संचालन पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

बैठक में ये रहे उपस्थित

इस सौजन्य भेंट के दौरान रेडक्रॉस समिति की प्रबंध समिति के पदाधिकारी एस. उपाध्याय, सविता गौतम, अरुण राय, डॉ. प्रतीक अवस्थी, डॉ. गजेंद्र डहरवाल, सूर्यप्रकाश विश्वकर्मा, विक्रांत दुबे, अनूप मिश्रा, आई.एल. वर्मा, आशीष माना ठाकुर सहित समिति के अन्य सदस्य प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

जंगल का सीना चीरकर रेत चोरी करने वाला रेत माफिया बुद्धरतन रावत गिरफ्तार

कुरई वन अमले ने ट्रैक्टर किया जब्त

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in



बुध्दरतन रावत, माफिया : वन विभाग के हत्थे चढ़ा।

पड़ोसी जिला बालाघाट अंतर्गत तहसील तिरोड़ी के ग्राम कोयलारी निवासी बुद्धरतन रावत पिता चुन्नी लाल रावत ने सिवनी जिले के जंगल कक्ष क्रमांक 306 से लगभग 300 मीटर का अवैध रास्ता बनाकर सितापठोर और चांदाड़ोह के बीच बड़े नाले से खुलेआम रेत का अंधाधुंध उत्खनन कर रहा था। इस शातिर माफिया ने क्षेत्र में आतंक मचा रखा था और चोरी की गई रेत को लगातार तिरोड़ी रेलवे स्टेशन के पास डंप कर रहा था। 3 नवंबर की रात्रि लगभग 4:30 बजे कुरई वन अमले ने तड़के साहसिक कार्रवाई करते हुए इस अवैध रेत ले जा रहे ट्रैक्टर को आखिरकार धर दबोचा और जब्त कर लिया। चौंकाने वाली बात यह है कि इस शातिर अपराधी ने पिछले मात्र दो महीनों के भीतर लगभग 250 ट्रिप रेत की चोरी कर डाली है, जिससे अनुमानित तौर पर पांच लाख रुपये से अधिक की सरकारी संपत्ति यानी रेत का अवैध खनन हो चुका है।

यह कोई पहला मौका नहीं है जब इस माफिया पर शिकंजा कसा गया। इससे महज तीन महीने पहले बालाघाट जिले के डीएफओ जीतेन्द्र मीणा ने इसी बुद्धरतन रावत का ट्रैक्टर जंगल के भीतर से पकड़कर राजसात करने की बड़ी कार्रवाई की थी। इसके अतिरिक्त, बालाघाट जिला खनिज विभाग द्वारा भी इस शातिर के खिलाफ पूर्व में ट्रैक्टर जब्ती और प्रकरण दर्ज करने की पुख्ता कार्रवाई की जा चुकी है, लेकिन सरकारी तंत्र की ढिलाई का फायदा उठाकर यह बार-बार बाज नहीं आ रहा है।

वही अब क्षेत्र में जोरदार मांग उठ रही है कि इस आदतन और दुस्साहसी रेत माफिया बुद्धरतन रावत पर तुरंत सख्त से सख्त रेत चोरी का आपराधिक मामला दर्ज किया जाना चाहिए। आमजन का मानना है कि यदि इस पर कठोर कानूनी शिकंजा नहीं कसा गया, तो भविष्य में कोई भी अपराधी बेखौफ होकर जंगलों और प्राकृतिक संपदा को लूटने की हिमाकत करता रहेगा।

घंसौर में व्यवस्था की उदासीनता!

जनसुनवाई में आवेदन दिए एक महीना बीता, पर वृद्ध दंपत्ति को नहीं मिला राशन और पेंशन का हक

- 63 वर्ष के कैलाश चंद्र और 60 वर्ष की राजेश्वरी कौशल प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार
- समग्र आईडी होने के बावजूद कागजों में कैद हैं सरकारी योजनाएं, सीईओ जनपद घंसौर की मोहर के बाद भी नहीं उठी फाइल

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

सिवनी जिले के घंसौर विकासखंड के अंतर्गत प्रशासनिक संवेदनहीनता का एक बेहद शर्मनाक और झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक वृद्ध दंपत्ति, जो अपनी रोजी-रोटी और जीवन के अंतिम पड़ाव की बुनियादी जरूरतों के लिए दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है, उसने न्याय की आस में अनुविभागीय दंडाधिकारी के समक्ष जनसुनवाई में गुहार लगाई थी। आवेदन दिए हुए पूरा एक महीना बीत चुका है, लेकिन सिस्टम की सुस्त रफ्तार और उदासीन रवैये के कारण कार्रवाई के नाम पर स्थिति पूरी तरह 'शून्य' बनी हुई है।

क्या है पूरा मामला?

यह पूरा मामला घंसौर तहसील के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सरसडोल के ग्राम चतुवा का है। यहाँ के निवासी 63 वर्षीय वृद्ध कैलाश चंद्र कौशल और उनकी 60 वर्षीय पत्नी राजेश्वरी कौशल आज दो जून की रोटी और वृद्धावस्था के सहारे के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

दंपत्ति के पास शासन द्वारा जारी परिवार समग्र आईडी क्रमांक 49589225 दर्ज है, बावजूद इसके वे उन मूलभूत अधिकारों से वंचित हैं, जिनका वादा सरकार हर गरीब और बुजुर्ग नागरिक से करती है।

पात्रता पर्ची और पेंशन से वंचित वृद्ध दंपत्ति का दर्द



दंपत्ति द्वारा दिए गए मूल आवेदन पत्र में यह स्पष्ट रूप से दर्द बयां किया गया है कि उनकी उम्र क्रमशः 63 और 60 वर्ष हो चुकी है। इस ढलती उम्र और शारीरिक कमजोरी के कारण वे कड़ा श्रम या मजदूरी करने में पूरी तरह असमर्थ हैं। समग्र आईडी होने के बावजूद आज दिनांक तक उनके नाम पर शासकीय पात्रता पर्ची जारी नहीं की गई है। नतीजतन, शासन द्वारा गरीब परिवारों को मिलने वाला राशन उन्हें नसीब नहीं हो रहा है। इसके अलावा, उम्र के इस पड़ाव पर मिलने वाली वृद्धावस्था पेंशन योजना का लाभ भी उन्हें नहीं मिल पा रहा है, जिससे उनके सामने भुखमरी और भारी आर्थिक तंगी का संकट खड़ा हो गया है।

प्रशासन से कार्रवाई की मांग

इस मामले ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि मैदानी स्तर पर सरकारी योजनाएं किस तरह फाइलों के जाल में उलझकर दम तोड़ रही हैं। पीड़ित वृद्ध दंपत्ति ने एक बार फिर उच्च अधिकारियों से मांग की है कि उनके मामले की तुरंत जांच कराई जाए, उनकी समग्र आईडी पर तत्काल पात्रता पर्ची जारी की जाए, और उनकी वृद्धावस्था पेंशन को तुरंत प्रभाव से शुरू किया जाए। यदि अब भी जिम्मेदार अधिकारियों ने आंखें नहीं खोलीं, तो यह मान लिया जाएगा कि शासन की योजनाएं सिर्फ विज्ञापनों तक सीमित हैं और गरीबों के हक पर प्रशासनिक लापरवाही का ताला जड़ा हुआ है।

प्रशासनिक विफलता पर सवाल

यह मामला कई सवाल खड़े करता है, क्या जनसुनवाई सिर्फ कागजी खानापूर्ति का जरिया बनकर रह गई है? जब जनसुनवाई में दिए गए आवेदनों पर एक महीने बाद भी कोई एक्शन नहीं होता, तो आम जनता किस पर भरोसा करे? जब समग्र आईडी मौजूद है, तो पात्रता पर्ची जारी करने में एक महीने से अधिक समय क्यों लग रहा है? क्या प्रशासन किसी बड़ी अनहोनी या वृद्धों की भुखमरी का इंतजार कर रहा है?

ग्राम पंचायत स्तर पर अनसुनी गुहार, शून्य हुई कार्रवाई

पीड़ित वृद्ध दंपत्ति ने बताया कि उन्होंने ग्राम पंचायत सरसडोल के चक्कर लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पंचायत स्तर पर बार-बार गुहार लगाने और अधिकारियों के सामने हाथ जोड़ने के बावजूद उनकी समस्या पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। पंचायत स्तर से लेकर अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उन्हें पूरी तरह वंचित कर दिया गया है। जब स्थानीय स्तर पर न्याय नहीं मिला, तो उन्होंने मजबूर होकर अनुविभागीय दंडाधिकारी घंसौर के समक्ष जनसुनवाई में आवेदन प्रस्तुत किया। सीईओ जनपद घंसौर को 15/09/2026 को शिकायत की गई। लेकिन विडंबना यह है कि जनसुनवाई में आवेदन सौंपे हुए एक पूरा महीना बीत चुका है, और धरातल पर कार्रवाई के नाम पर नतीजा सिफर है। अधिकारी फाइल दबाकर बैठे हैं और वृद्ध दंपत्ति रोज अपनी जिंदगी की जंग लड़ने को विवश हैं।

त्योहारों से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग का एक्शन

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

त्योहारों के मद्देनजर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है। विभाग की टीम ने सिवनी नगर, कुरई और पेंच क्षेत्र में एक बड़ा जांच अभियान चलाकर कई प्रतिष्ठानों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की।

कार्रवाई के दौरान टीम ने सिवनी के प्रसिद्ध मिठाई प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्र किए। इनमें जयपुर मिष्ठान भंडार से कुंदा, मलाई रोल और दूध, रामसहाय शर्मा मिष्ठान भंडार से नमकीन व कुंदा और नटराज स्वीट्स कचहरी चौक से पेड़ा, बादाम पेड़ा, अंजीर बर्फी, शुगर फ्री बर्फी तथा मलाई पेड़ा के सैंपल शामिल हैं।

जांच रिपोर्ट पर टिकीं उपभोक्ताओं की निगाहें: त्योहारों के सीजन में मिठाइयों और खाद्य पदार्थों की मांग काफी बढ़ जाती है, ऐसे में विभाग की इस कार्रवाई से आम जनता को शुद्ध सामग्री मिलने की उम्मीद जगी है।

नामी रिजॉर्ट्स के किचन और स्टोर रूम की जांच

खाद्य विभाग का यह अभियान सिर्फ मिठाई दुकानों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पेंच क्षेत्र के नामी रिजॉर्ट भी इसकी जांच के दायरे में आए। टीम ने पेंच जंगल रिजॉर्ट, ओलिव रिजॉर्ट और गजराज रिजॉर्ट सहित अन्य होटलों के किचन और स्टोर रूम का निरीक्षण किया। इस दौरान पेंच जंगल कैंपस से इंस्टेंट डोसा मिक्स और ज्वार के आटे के नमूने लिए गए।

स्वच्छता और भंडारण को लेकर कड़े निर्देश

निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने सभी होटल व रिजॉर्ट संचालकों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। विभाग ने स्पष्ट किया कि खाद्य सामग्री पूरी तरह से स्वच्छ वातावरण में तैयार की जानी चाहिए और उसके भंडारण की व्यवस्था मानकों के अनुरूप होनी चाहिए।

विज्ञापन के लिए संपर्क करें
7000427433

सिवनी में पुलिस और युवाओं का संवाद

जन सुरक्षा-युवा सृजन संवाद का जिला स्तरीय समापन व सम्मान समारोह संपन्न

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in



मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय भोपाल और उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त नवाचार जन सुरक्षा-युवा सृजन संवाद का जिला स्तरीय समापन एवं सम्मान समारोह सिवनी के पीएम एक्सीलेंस शासकीय पी.जी. कॉलेज सभागार में गरिमामय माहौल में आयोजित हुआ। पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा के नोडल नेतृत्व और निरीक्षक ओमेश्वर ठाकरे के संयोजन में 22 अक्टूबर 2026 से शुरू हुए इस अभियान के दौरान युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनने, साइबर सुरक्षा और पुलिस की विभिन्न कार्यप्रणालियों के प्रति जागरूक किया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और सामाजिक पहल

समारोह में झुग्गी बस्तियों के बच्चों ने देशभक्ति एवं महिला सशक्तिकरण पर आधारित पावर वॉक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। पुलिस विभाग द्वारा इन बच्चों को ट्रैक सूट, जूते व ऊनी वस्त्र भेंट किए गए। साथ ही छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना, स्वागत गीत और देशभक्ति गीतों ने कार्यक्रम में समा बांध दिया। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों, शिक्षाविदों और सामाजिक संगठनों के सदस्यों की विशेष उपस्थिति रही।

प्रतिभावान युवाओं और अधिकारियों का हुआ सम्मान

समारोह के दौरान जिलेभर के शासकीय एवं उत्कृष्ट महाविद्यालयों के प्राचार्यों, एनसीसी, एनएसएस, रेडक्रॉस प्रभारियों, खेल अधिकारियों और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं सहित कुल 300 विभूतियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 600 से अधिक छात्र-छात्राओं की उत्साहजनक उपस्थिति रही, जिन्होंने इस अभियान में चेंज मेकर और सजग नागरिक की भूमिका निभाई।



स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक*** **संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433